

17

प्री. सं. भा. १० - (८१)

१८३.
लौंगा भ

गृह पत्रिका

प. ५५०

कर्मकांड

श्री लौंगा भ

(गुरुमुखी लिपि)

५५.
००

लेख्यः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥

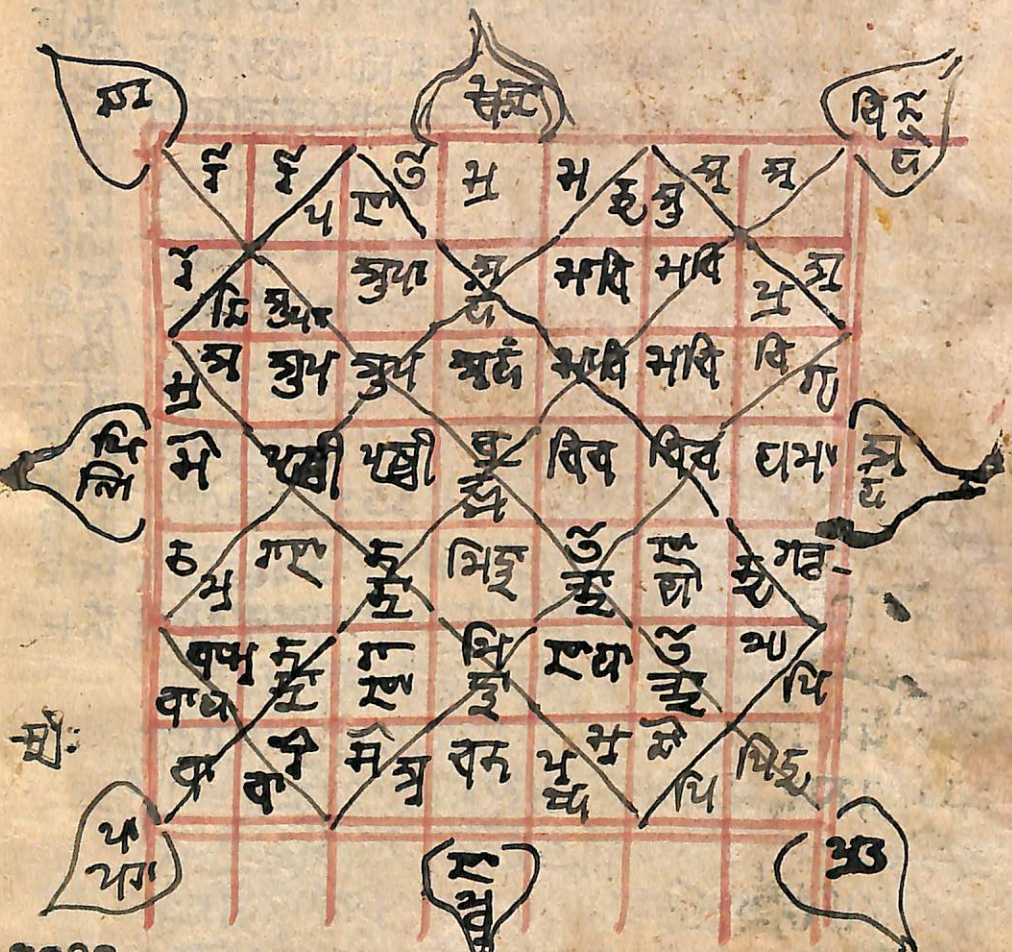
श्रीः
रघु
भयभी
ध

0094

[illegible]

श्रीः
 गुरु
 नमः
 ॐ
 ००१०

श्रुवत्तमयधं॥ शुभद्विम्ब॥ सुप्रसरः॥ वस्तुग
 ग॥ सुप्रसरः॥ सुप्रसरः॥ सुप्रसरः॥ सुप्रसरः॥
 वेत्तमयधं॥ सुप्रसरः॥ सुप्रसरः॥ सुप्रसरः॥ सुप्रसरः॥
 सुप्रसरः॥ सुप्रसरः॥ सुप्रसरः॥ सुप्रसरः॥ सुप्रसरः॥
 सुप्रसरः॥ सुप्रसरः॥ सुप्रसरः॥ सुप्रसरः॥ सुप्रसरः॥
 सुप्रसरः॥ सुप्रसरः॥ सुप्रसरः॥ सुप्रसरः॥ सुप्रसरः॥
 सुप्रसरः॥ सुप्रसरः॥ सुप्रसरः॥ सुप्रसरः॥ सुप्रसरः॥



००३१ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सुप्रसरः॥ सुप्रसरः॥ सुप्रसरः॥ सुप्रसरः॥ सुप्रसरः॥
 मन्त्रः॥ मन्त्रः॥ मन्त्रः॥ मन्त्रः॥ मन्त्रः॥

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

ਸ੍ਰੀ:
ਸ਼ਗਲ
੫
੦੦੭੫

आधिप। उर भनिठिनसिपु निरुठि पौक साभम।
 एनपसुठिमउपं पिडपइवलेभम। प्रहजउठिइ
 लउकुसुनिषषउउ नउउपिठिमइ पउठिप
 इमहोरपि॥ प्रचंभवंमए कु नंमउउंमठिलमक
 मउपिइ लमउउमह उर एलंभनो॥
 उहगुदरपुडिभु॥ ॥

